पाठ संख्या	शीर्षक	मॉड्यूल संख्या
8	समकालीन भारतीय कला के पुरोगामी कलाकार	3

संक्षिप्त भूमिका

- 19वीं शती के प्रारंभ में ब्रिटिश शासन के प्रभाव के कारण भारतीय पारम्परिक कला का ह्रास शुरू हुआ।
- भारतीय कलाकारों ने अपनी पैतृक कला को सकारात्मक सोच से देखना शुरू किया तथा यूरोपियन पूर्व ब्रिटिश शासन काल की कला से आगे बढ़ने का प्रयास किया।
- समकालीन भारतीय कला के प्रसिद्ध कलाकार :
  - **राजा रवि वर्मा**
  - **अवनींद्र नाथ टैगोर**
  - **नन्दलाल बोस**
  - **विनोद बिहारी**
  - **रवीन्द्र नाथ टैगोर**
  - **जामिनी राय**
  - **अमृता शेरगिल**

8.1

हंस दमयन्ती

विवरण

शीर्षक : हंस दमयन्ती
कलाकार : राजा रवि वर्मा
माध्यम : कैनवास पर तैलीय रंग
काल : 1899
संकलन : राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय, नई दिल्ली

चित्र की विशेषतायें

- 1899 में तैलीय रंग में बनाई गई यह कृति **राजा रवि वर्मा** की सर्वाधिक प्रसिद्ध कृतियों में से एक है।
- चित्र में दमयन्ती को सबसे सुन्दर स्त्री के रूप में लाल रंग की साड़ी पहने चित्रित किया गया है तथा वह अपने प्रेमी का संदेश हंस के माध्यम से सुन रही है।
- दमयन्ती की खड़ी आकृति और उसकी अर्थगर्भित **भाव-भंगिमा** बहुत आकर्षक है।

चित्रकार के विषय में अपनी समझ विकसित करें

- ये भारत के सर्वाधिक ख्यातिप्राप्त कलाकारों में से हैं जिनका क्रांतिकारी दृष्टिकोण था।
- पानी तथा तैलीय रंगों की अपनी तकनीक के लिये उन्हें खूब ख्याति प्राप्त हुई।
- इनकी कृतियों में भारतीय पौराणिक कथा शृंखला अंकित है।
- **दुष्यन्त-शकुन्तला, नल-दमयन्ती** तथा **महाभारत** महाकाव्य की कथाओं से लिए गए प्रसंग इनकी कलाकृतियों में विशेष स्थान रखते हैं।

स्व-मूल्यांकन

8.1.1 19वीं शताब्दी के प्रारम्भ में किस के प्रभाव के कारण भारतीय कला का सामान्य रूप से पतन शुरू हो गया था।

8.1.2 **राजा रवि वर्मा** द्वारा चित्रित **"हंस दमयन्ती"** में कौन-से माध्यम का प्रयोग किया गया है।

उत्तर

8.1.1 ब्रिटिश शासन।

8.1.2 कैनवास पर तैलीय रंग।

8.2

ब्रह्मचारी

विवरण

शीर्षक : ब्रह्मचारी
कलाकार : अमृता शेरगिल
माध्यम : कैनवास पर तैलीय रंग
काल : 1938
संकलन : राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय नई दिल्ली

चित्र की विशेषतायें

- यह चित्र-परम्परावादी दक्षिण भारत में अभी भी प्रचलित हिन्दू प्रथाओं तथा विश्वास एवं आस्था की समझ का एक सुन्दर उदाहरण है।
- एक आश्रम में पांच पुरूष ब्रह्मचारियों को हिन्दू आस्था पर श्रद्धा के प्रतीक के रूप में दर्शाया गया है।
- रंगों की विविधता पर विशेष महत्व दिया गया है जैसे गहरे लाल रंग की पृष्ठभूमि में सफेद धोती।
- इस चित्र को समतल धरातल पर सीधे खड़े रूप में चित्रित किया गया है।

चित्रकार के विषय में अपनी समझ विकसित करें

- **20वीं शताब्दी** में भारत में समकालीन कला क्षेत्र के इतिहास में इनकी उपस्थिति एक महान घटना मानी जाती है।
- दक्षिण भारत के दौरे से उन्होंने बड़ी प्रेरणा प्राप्त की जिसके फस्वरूप उन्होंने **'दुल्हन का श्रृंगार'** **'ब्रह्मचारी'** तथा **'बाजार जाते हुए दक्षिण भारतीय ग्रामीण'** नामक चित्रों की रचना की।
- जिस मनोयोग से उन्होंने अपनी प्रतिभा, रंग तथा ब्रश का प्रयोग किया तथा पश्चिम में अपने प्रशिक्षण तथा पूर्व के विचारों का सामंजस्य किया, उसे उन्होंने बहुत लोकप्रिय बनाया। उनके चित्र उनका देश एवं वहाँ के लोगों के जीवन के प्रति प्रेम दर्शाते हैं।

स्व-मूल्यांकन

8.2.1 देश के किस भाग ने **अमृता शेरगिल** को उनकी सर्वश्रेष्ठ कृतियाँ बनाने के लिये प्रेरित किया?

8.2.2 चित्र में **ब्रह्मचारी** किस आस्था पर पूर्ण श्रद्धा प्रदर्शित करते हैं?

उत्तर

8.2.1 दक्षिण भारत

8.2.2 हिन्दू आस्था

8.3
दि आट्रियम

विवरण

शीर्षक : दि आट्रियम
कलाकार : गगनेन्द्र नाथ टैगौर
माध्यम : कागज पर जल रंग
काल : 1920
आकार : 12.5 × 9.5 इंच
संकलन : रवीन्द्र भारती सोसाइटी जोरासांको, कोलकाता

चित्र की विशेषतायें

- यह चित्र एक आसाधारण कलाकृति है जो उनकी कृतियों पर घनवाद के प्रभाव को दर्शाती है।
- घनवाद एक ऐसी शैली है जिसमें वर्णित वस्तुओं को ज्यामितीय आकार में प्रस्तुत किया जाता है।
- इस चित्र में रंगों के माध्यम से प्रकाश एवं छाया के अपूर्व संयोजन के प्रयोग से हुए प्रभाव को दर्शाया गया है।
- विभिन्न ज्यामितीय आकारों को संयोजित करके इस आकृति को रूप दिया गया है।

चित्रकार के विषय में अपनी समझ विकसित करें

- 1910 से 1921 के अन्तर्गत उनकी कृतियों में हिमालय पर्वत श्रृंखलाओं के चित्र एवं कला-क्रम में चैतन्य की जीवन गाथा प्रमुख है।
- अपने जीवन के अन्तिम वर्षों में उन्होंने स्पष्ट रूप से घनवाद को अपनी एक शैली बना लिया जिसका मूल उद्देश्य अभिव्यक्ति को गूढ़ ज्यामितीय आकारों के माध्यम से व्यक्त करना था।
- वह अपने समय के महान कला समीक्षक भी रहे तथा उनके राजनैतिक तथा सामाजिक व्यंग्य चित्र भी बहुत चर्चित थे।

स्व-मूल्यांकन

8.3.1 **"द आट्रियम"** चित्र किस माध्यम में बना है।

8.3.2 **गगनेंद्रनाथ टैगोर** द्वारा विकसित शैली के नाम के बारे में बताइये।

उत्तर

8.3.1 कागज पर जल रंग।

8.3.2 घनवाद

क्या आप जानते हैं?

- आधुनिक भारतीय कला, हमारे देश के इतिहास एवं सामाजिक परिस्थितियों के साथ जुड़ी हुई है।
- ब्रिटिश समय में कम्पनी स्कूल के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण कलाकृतियां निर्मित हुईं।
- शान्ति निकेतन में स्थापित बंगाल स्कूल कला के उत्थान का केन्द्र बना।
- भिन्न-भिन्न पृष्ठभूमि के कलाकारों ने एकत्रित होकर भारतीय कला को एक नया आयाम दिया।
- बंगाल स्कूल समकालीन भारतीय कला आन्दोलन में एक मुख्य कड़ी के रूप में स्पष्ट हुआ।